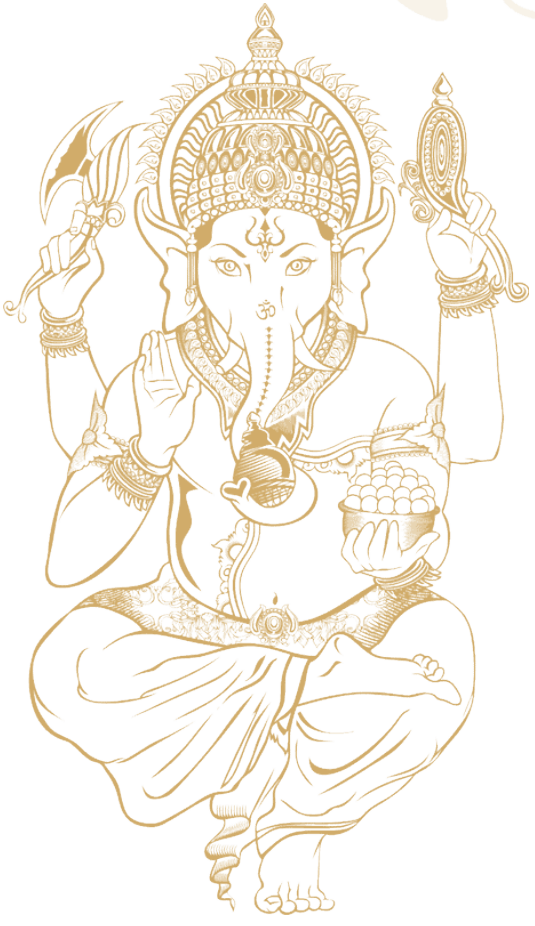

Kapil Dev Garg

17 May 1980

06:43 AM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120945422

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/05/1980**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:43:00 घंटे**
इष्ट	02:51:42 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:16:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	21:55:35 घंटे
सूर्योदय	05:34:19 घंटे
सूर्यास्त	19:12:51 घंटे
दिनमान	13:38:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:42:35 वृष
लग्न के अंश	20:01:19 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	धृति
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	20:01:19	363:21:30	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य			वृष	02:42:35	00:57:49	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	06:37:20	13:44:36	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			सिंह	10:32:43	00:21:34	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	07:09:23	02:10:37	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	07:18:16	00:03:40	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	07:52:15	00:16:56	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		सिंह	26:38:21	00:00:34	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	00:46:51	00:08:19	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	00:46:51	00:08:19	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		तुला	29:51:40	00:02:31	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
नेप	व		वृश्चि	28:23:45	00:01:25	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो	व		कन्या	25:52:05	00:01:16	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	03:05:06	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:47

लग्न-चलित

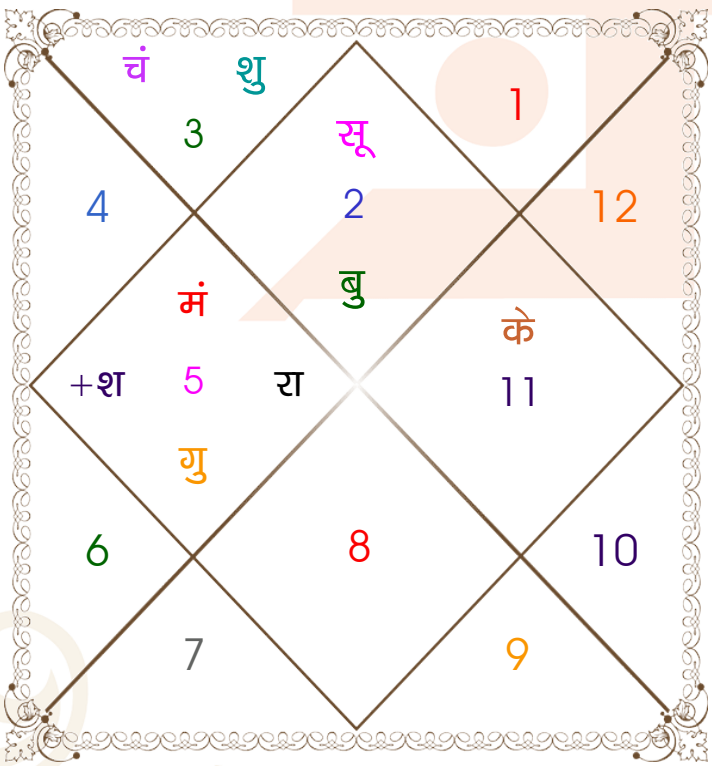

चन्द्र कुंडली

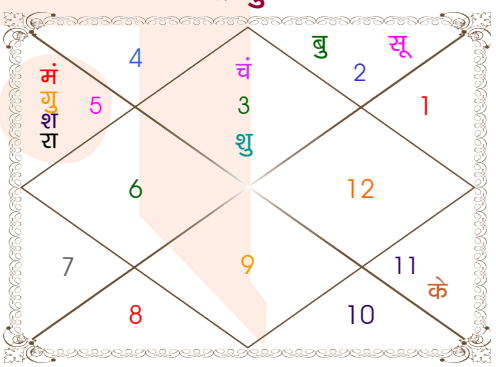

नवमांश कुंडली

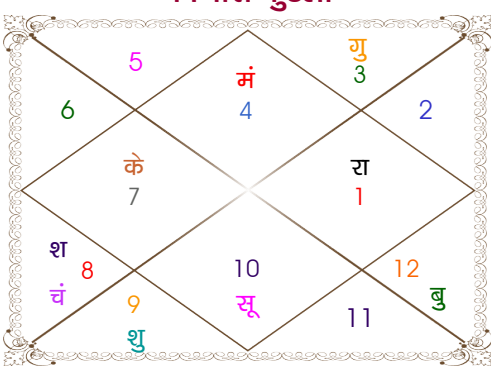

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 0 मास 8 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/05/1980		25/05/1980		26/05/1998		26/05/2014		26/05/2033	
25/05/1980		26/05/1998		26/05/2014		26/05/2033		26/05/2050	
	00/00/0000	राहु	05/02/1983	गुरु	13/07/2000	शनि	29/05/2017	बुध	22/10/2035
	00/00/0000	गुरु	01/07/1985	शनि	24/01/2003	बुध	06/02/2020	केतु	18/10/2036
	00/00/0000	शनि	07/05/1988	बुध	01/05/2005	केतु	17/03/2021	शुक्र	19/08/2039
	00/00/0000	बुध	24/11/1990	केतु	07/04/2006	शुक्र	16/05/2024	सूर्य	25/06/2040
	00/00/0000	केतु	13/12/1991	शुक्र	06/12/2008	सूर्य	28/04/2025	चंद्र	24/11/2041
	00/00/0000	शुक्र	13/12/1994	सूर्य	24/09/2009	चंद्र	27/11/2026	मंगल	21/11/2042
	00/00/0000	सूर्य	06/11/1995	चंद्र	24/01/2011	मंगल	06/01/2028	राहु	10/06/2045
	17/05/1980	चंद्र	07/05/1997	मंगल	31/12/2011	राहु	12/11/2030	गुरु	16/09/2047
चंद्र	25/05/1980	मंगल	26/05/1998	राहु	26/05/2014	गुरु	26/05/2033	शनि	26/05/2050

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/05/2050		26/05/2057		26/05/2077		26/05/2083		26/05/2093	
26/05/2057		26/05/2077		26/05/2083		26/05/2093		18/05/2100	
केतु	22/10/2050	शुक्र	24/09/2060	सूर्य	12/09/2077	चंद्र	25/03/2084	मंगल	22/10/2093
शुक्र	22/12/2051	सूर्य	24/09/2061	चंद्र	14/03/2078	मंगल	25/10/2084	राहु	09/11/2094
सूर्य	28/04/2052	चंद्र	26/05/2063	मंगल	20/07/2078	राहु	25/04/2086	गुरु	16/10/2095
चंद्र	27/11/2052	मंगल	25/07/2064	राहु	13/06/2079	गुरु	25/08/2087	शनि	24/11/2096
मंगल	25/04/2053	राहु	26/07/2067	गुरु	01/04/2080	शनि	26/03/2089	बुध	21/11/2097
राहु	14/05/2054	गुरु	26/03/2070	शनि	14/03/2081	बुध	25/08/2090	केतु	19/04/2098
गुरु	20/04/2055	शनि	26/05/2073	बुध	18/01/2082	केतु	26/03/2091	शुक्र	19/06/2099
शनि	28/05/2056	बुध	25/03/2076	केतु	26/05/2082	शुक्र	24/11/2092	सूर्य	25/10/2099
बुध	26/05/2057	केतु	26/05/2077	शुक्र	26/05/2083	सूर्य	26/05/2093	चंद्र	18/05/2100

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।